भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2083

उत्तर देने की तारीख : 02.12.2019

एनसीपीयूएल

†2083. श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उर्दू भाषा को बढ़ावा देने तथा इसका विकास और प्रसार करने के लिए राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद् (एनसीपीयूएल) स्थापित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त परिषद् ने तेलंगाना में कार्य करना शुरू कर दिया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (घ): जी हां| राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) की स्थापना सरकार द्वारा वर्ष 1996 में उर्दू भाषा के संवर्धन, विकास और प्रसार करने हेतु एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी| इस प्रयोजन से, परिषद् तेलंगाना सहित पूरे देश में निम्नलिखित योजनाएं/प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाता है:

1. कंप्यूटर एप्लीकेशन, बिज़नेस एकाउंटिंग और मल्टीलिंग्वल डेस्क टॉप पब्लिशिंग (सीएबीए- एमडीटीपी) में एक वर्षीय डिप्लोमा|
2. कैलीग्राफी और ग्राफ़िक डिज़ाइन में दो वर्षीय डिप्लोमा
3. उर्दू भाषा में एक वर्षीय डिप्लोमा
4. व्यावसायिक पाठ्यक्रम (कौशल विकास और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करना|
5. प्रेस संवर्धन (लघु और मध्यम उर्दू समाचारपत्रों को वित्तीय सहयोग)|
6. संगोष्ठियों/व्याख्यान श्रंखलाओं, मुशायरा, पांडुलिपियों के प्रकाशन/पुस्तकों की व्यापक खरीद आदि के के लिए वित्तीय सहायता|
7. उर्दू भाषा में पुस्तकों और पत्रिकाओं का प्रकाशन|

8. शब्दकोशों, पारिभाषिक शब्दावलियों, विश्वकोष आदि पर शैक्षणिक परियोजनाएं|

9. अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन और राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित करना|

10. उर्दू पत्रकारिता के क्षमता निर्माण पर कार्यशाला|

11. पूरे देश में पुस्तक मेले और प्रदर्शनी के आयोजन/प्रतिभागिता द्वारा उर्दू पुस्तकों की बिक्री के माध्यम से पुस्तक संवर्धन|

*****